प्रेस विज्ञप्ति का प्रारूप

विद्यालय शिक्षा की पाठ्य पुस्तकों में परिवर्तन जायज

(स्थान का नाम) .....।

राजस्थान में विद्यालय शिक्षा में कक्षा 1 से 9 तक नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर प्रकाशित की गई पाठ्य–पुस्तकों का शिक्षक, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के बहुत बड़े वर्ग ने स्वागत किया है। संगठन के महामंत्री देवीलाल गोचर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में प्रचलित पाठ्य–पुस्तकों में देश व प्रदेश के विद्यार्थियों की आवश्कताओं को दृष्टिगत रखे बिना बोझिल, लंबा और अत्यधिक कठिन विषय वस्तु की भरमार थी जिससे सभी लोग त्रस्त थे। अब प्रकाशित पाठ्य–पुस्तकों में शिक्षण के मूलभूत सिद्धान्तों के आधार पर पाठ्य सामग्री का समावेश कर पाठ्य–पुस्तकों का लेखन कार्य किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री रामावतार शर्मा ने बताया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सन् 2009 में प्रचलित पाठ्य–पुस्तकों पर मनमाने ढंग से कैंची चलाकर महर्षि वाल्मिकी, लाला लाजपतराय, दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, वीर सावरकर आदि ख्यात नाम महापुरूषों एवं विचारकों के व्यक्तित्व तथा विचारों को विलोपित कर दिया था। यही नहीं आज निराधार हल्ला मचाने वाले तत्त्वों ने अपने कार्यकाल में आर्यों का मूल स्थान भारत में ही होने तथा वैदिक संस्कृति के विश्व के प्राचीनतम संस्कृति होने के ध्रुव सत्य पर भी अपनी काली कलम चला दी थी। आज इन तथाकथित तत्त्वों के लिए आत्म चिन्तन का समय है।

प्रदेश संगठन मंत्री श्री प्रहलाद शर्मा ने बताया कि नवीन पाठ्य–पुस्तकों में देश व प्रदेश के महापुरूषों, स्वतन्त्रता सेनानियों तथा विख्यात विभूतियों को सम्मिलित किया गया है। उदाहरणार्थ कक्षा 9 की सामाजिक विज्ञान विषय की पाठ्य पुस्तक में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, आचार्य तुलसी जैसे राष्ट्रनायकों को स्थान दिया गया है जिससे विद्यार्थियों में देश के प्रति गौरव का भाव जाग्रत हो। साथ ही स्वतन्त्रता सेनानियों–मंगल पाण्डे, रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहब, तात्यां टोपे, अजीमुल्ला, कुंवरसिंह, रंगाजी बापू, ठाकुर खुशालसिंह आदि का वर्णन कर देश के स्वतन्त्रता संग्राम में अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले वीरों की गाथाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया है।

(स्थानीय कार्यकर्ता/पदाधिकारी का नाम).....ने कहा कि इसी तरह अन्य पाठ्य–पुस्तकों में भी युगानुकूल एवं सटीक सामग्री का समावेश किया गया है जिससे ये पुस्तकें छात्रों के लिये अत्यन्त उपयोगी बन गई है। राजस्थान के वीर सपूतों– बप्पा रावल, पृथ्वीराज चौहान, महाराणा सांगा, मीराबाई, पन्नाधाय, वीर दुर्गादास राठौड़, राव मालदेव, अमृता देवी, महाराजा सूरजमल, गोविन्द गुरु, कालीबाई, वीर तेजाजी, गोगाजी, पाबूजी, रामदेव जी, देवनारायण जी, संत पीपाजी, जम्भोजी, जसनाथ जी, संत दादूदयाल, रामचरण जी और आचार्य भिक्षु आदि का वर्णन किया गया है जिससे बालक संपूर्ण प्रदेश के सांस्कृतिक वैभव और विविधता से परिचित होता है। भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में ये जानकारियाँ अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होंगी।

संगठन का मत है कि कतिपय स्वार्थी लोग वातावरण दूषित करने का प्रयास करके शिक्षा क्षेत्र का राजनीतिकरण कर प्रदेश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे है। जागरूक समाज इन सभी को बहुत नजदीकी से देख रहा है। अवसर आने पर इन सबको माकूल जवाब दिया जायेगा। संगठन के कार्यकर्ता अभिभावकों से सम्पर्क कर उनके समक्ष वास्तविकता उजागर करते हुए उन्हें इस षडयन्त्र को नाकाम करने के लिए जागरूक करने का प्रयास करेंगे।

(विज्ञप्ति जारीकर्ता)
पद

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

82, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर

क्रमांक : **781** दिनांक : **15.05.2016**

आदरणीय बन्धु/भगिनि,

सादर वन्दे।

गत सरकार के समय प्रचलित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर तथा माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर की पुस्तकों के स्तर व पाठ्य सामग्री का संगठन ने समय–समय पर विरोध किया था। संगठन की माँग पर ही राज्य सरकार द्वारा इस सत्र में कक्षा 1 से 8 तथा IX व XI की नवीन पाठ्य पुस्तके लिखवाई जाकर प्रकाशित की गई है। पाठ्य पुस्तकों के सम्बन्ध में इन दिनो में हमारे विरोधी विचार के व्यक्ति एवं संगठन भ्रामक एवं तथ्यहीन समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित करवा रहे है। हम संगठन के कार्यकर्ताओं का यह दायित्व है कि हम पूर्व प्रचलित पाठ्य पुस्तको की न्यूनताओं (कमियों) को उजागर करते हुए पाठ्य पुस्तकों में परिवर्तन क्यों अपेक्षित था, इसकी जानकारी ''मीडिया'' के विविध माध्यमो द्वारा समाज तक पहुँचाए। इस दृष्टि से पाठ्य पुस्तको में परिवर्तन हेतु राज्य सरकार को धन्यवाद देना तथा राज्यभर से अभिभावकों के द्वारा इस प्रकार के पत्र विशेष रूप से जाये, इस पर विशेष ध्यान देना हमारा प्रमुख कर्त्तव्य है।

आपको इस पत्र के साथ एक प्रेस विज्ञप्ति का प्रारूप भिजवाया जा रहा है जिसमें आवश्यक संशोधन एवं स्थानीय पदाधिकारियों के नामों को सम्मिलित करते हुए अपने–अपने क्षेत्र में प्रकाशित करवाने का श्रम करें।

भवदीय

(देवलाल गोचर)
महामंत्री